अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल

तेरापंथ दर्शन (वर्ष : 2025) दिनांक : 17.12.2025

समय सीमा : 3 घंटा प्रथम वर्ष : प्रथम प्रश्न पत्र पूर्णांक : 100

तेरापंथ का इतिहास–80

प्र. 1 किन्हीं सत्तरह प्रश्नों के उत्तर एक या दो वाक्यों में दीजिए– 17

आचार्य भिक्षु (कोई तेरह प्रश्नों के उत्तर दें)–

(क) स्थूल दृष्टि सदा ही किससे दूर रही है?

(ख) बरलू का वर्तमान में नाम क्या है?

(ग) किन पदार्थों का यथार्थ ज्ञान होने पर ही कोई सम्यक्त्वी बन सकता है,

(घ) संवत् 1859 में स्वामीजी जब सोजत पधारे तो वहां किसकी छत्री में विराजे?

(ड़) स्वामीजी की स्तुति में रचित अनेक गीतिकाओं में उन्हें ब्रह्मेश किसने कहा?

(च) जोदि तोर डाक सुने केउ ना आसे,
तबे एकला चल ओरे।
ये पंक्ति किसने लिखी? किसके एकाकी गमन पर बहुत ही ठीक उतरती है?

(छ) मुनि थिरपाल जी, मुनि फतेहचंद जी किसके संप्रदाय के थे?

(ज) मोह मनुष्य को जितना द्रवित कर सकता है, उतना ही अधिक क्या बना सकता है?

(झ) ''साधु होने के पश्चात् आज तक वैसा नीरस जल जीने का काम नहीं पड़ा।'' यह बात किसने किससे कही?

(ञ) थोकड़ा किसे कहते हैं?

(ट) पुण्य की वांछा करने से किसका बंध होता है?

(ठ) स्वामीजी के चबूतरे के पुनर्निर्माण में विशेष सहयोगी कौन बने? वे कहाँ के निवासी थे?

(ड) लोग स्वामीजी की पद्य-वद्य वाणी को क्या कहकर पुकारते हैं?

(ढ) धर्म-क्रांति के आवाहक राजनगर में श्रावकों में प्रमुख कौन थे?

(ण) मुमुक्षु व्यक्ति किसको पुष्ट करने में अपना गौरव समझता है?

आचार्य भारमलजी (किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दें)–

(त) द्रोणाचार्य के अनुसार परिवार का कोई व्यक्ति संयम मार्ग से पृथक करने के लिए उपसर्ग करे तो साधु को क्या करना चाहिए?

(थ) आचार्य भारमलजी किस आगम-शिक्षा के एक मूर्त उदाहरण थे?

(द) 'तेतली पुत्र का आख्यान' में कितनी गीतिकाएं हैं? यह रचना कितने पन्नों में लिखी गई है?

(ध) आचार्य भारमलजी का दाह संस्कार कहां और किस लकड़ी से किया गया?

(न) साधारण को न तो कसौटी बनाया जा सकता है और न ही उसे कसौटी पर चढ़ाने की आवश्यकता होती है। ये दोनों कार्य किसके लिए होते हैं?

प्र. 2 किन्हीं छः प्रश्नों के उत्तर दो या तीन वाक्यों में दीजिए– 15

आचार्य भिक्षु (किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दें)–

(क) आन्तरिक स्नान किसे कहते हैं?

(ख) गृहस्थावस्था में भिक्षु स्वामी को गांव का महत्वशील व्यक्ति क्यों माना गया?

(ग) केलवा का चातुर्मास एक सफल चातुर्मास था, कैसे?

(घ) सामजी भंडारी ने अपनी पगड़ी स्वामीजी के पैरों में क्यों रख दी?

(ड़) स्वामीजी का समस्त जीवन उस पवित्र पुस्तक के समान था, जिसके प्रत्येक पृष्ठ की प्रत्येक पंक्ति प्रेरणादायक होती है, कैसे?

आचार्य भारमलजी (किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दें)–

(च) ग्रंथों की किस आवश्यकता ने संघ के संतों को लिखने की ओर प्रेरित किया?

(छ) स्वामीजी ने बाल-मुनि भारमलजी को सर्प-उपद्रव अवस्था में देखकर क्या किया?

(ज) मुनि भारमलजी का परावलम्बन स्वामीजी ने एक झटके में कैसे दूर किया?

आचार्य भिक्षु

प्र. 3 किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर 100 से 150 शब्दों में दीजिए– 12

(क) आचार्य भिक्षु द्वारा रचित 'नव पदार्थ' नामक ग्रंथ पर प्रकाश डालें।

(ख) खोटा सिक्का घटना प्रसंग से सिद्ध करें कि शिथिलाचारी साधुओं की स्थिति निन्दनीय ही कही जा सकती है, वन्दनीय तो बिल्कुल नहीं।

(ग) सामान्य बातचीत से लेकर शास्त्रार्थ तक में स्वामीजी जनता को कैसे मंत्र-मुग्ध कर लिया करते थे? सप्रसंग बतायें।

प्र. 4 ''कार्य-सिद्धि महापुरुषों के आत्म-बल पर जितनी आधारित होती है, उतनी बाह्य उपकरणों पर नहीं'' राम की उपर्युक्त स्थिति से स्वामीजी की तत्कालीन स्थिति बहुत कुछ मेल खाती है, कैसे? 15

अथवा

किन्हीं तीन प्रसंगों से सिद्ध करें कि आचार्य भिक्षु अध्यात्म-प्रेरणा के महान स्त्रोत थे।

आचार्यश्री भारमलजी

प्र. 5 आचार्यश्री भारमलजी एक कुशल लिपिकार थे, कैसे? 6

अथवा

आचार्यश्री भारमलजी का सं. 1869 का जयपुर चातर्मास उपलब्धियों की दृष्टि से महत्त्वपूर्ण कैसे रहा?

प्र. 6 आचार्य भारमलजी एक अनुशासनप्रिय आचार्य थे। सप्रसंग विस्तार से लिखें। 15

अथवा

आचार्य भारमलजी के जीवन की अंतिम अवस्था एवं महाप्रयाण का वर्णन करें।

तेरापंथ-प्रबोध–20

प्र. 7 किन्हीं तीन पद्यों की प्रर्ति करें– 8

(क) दोरी लागी.....संस्कार हो।

(ख) बगड़ी स्यूं.....आयो एक उभार हो।।

(ग) आशीर्वाद रूप में.....ओ व्यापार हो।

(घ) 'पंच वचन शिरमाथे' कहावत वाला पद्य।

(ड़) 'ज्योर्तिमय चिन्मय दीप' वाला पद्य।

प्र. 8 किन्हीं तीन पद्यों को अर्थ सहित लिखें– 12

(क) संविधान सुविधान.....आविष्कार हो।।

(ख) स्वागत है.....लहरी संचार हो।।

(ग) 'नैसर्गिक वचन-सिद्धि' वाला पद्य।

(घ) अर्हत्-आज्ञा.....धार्मिक कारोबार हो।।